सारी सृष्‍टि के मालिक तुम्‍ही हो

सारी सृष्‍टि के रक्षक तुम्‍ही हो

करते है तुझको सादर प्रणाम

गाते है तेरे गुणगान

हा हा हा हल्‍लेलुयाह -8

1. सारी सृष्‍टि को तेरा सहारा

सारे संकट से हमको बचाना

तेरे हाथो में जीवन हमारा है

अपनी राह पर हमको चलाना

2. हम है तेरे हाथों की रचना

हम पर रहे तेरी करूणा

तन मन ध्‍न हमारा तेरा है

इन्‍हे शैतान को छुने न देना

3. अब दूर नही है किनारा

ध्‍ीरज को हमारे बढाना

जीवन की हमारी इस नैया को

भव सागर में खोने न देना ।